B.A. II, Paper III
M.A. JOHN

कूले का समाजीकरण का सिद्धान्त
(Cooleys theories of Socialization)

चार्ल्स कूले ने सामाजिक अन्तः क्रिया के आधार पर समाजीकरण की प्रक्रिया की व्याख्या की है। उसके अनुसार जब तक व्यक्ति अन्य व्यक्तियों के सम्पर्क में नहीं आता है अर्थात उनके साथ अन्तः क्रिया नहीं करता तब तक उसका समाजीकरण नहीं हो सकता। सामाजिक अन्तः क्रिया के परिणामस्वरूप व्यक्ति में स्वं अथवा आत्म जो समाजीकरण की आत्मा है का विकास होता है। इस प्रकार कूले ने सामाजिक अन्तः क्रिया तथा स्वयं के आधार पर अपने विचारों को स्पष्ट किया है। व्यक्ति के स्वयं तथा आत्म को तीन मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं की सहायता से समझा जाता है। (1) दूसरे व्यक्ति उसके बारे में क्या सोचते हैं। (2) दूसरों के विचारों के आधार पर ~~कुछ~~ वह स्वयं के बारे में कुछ कल्पना करता है और (3) दोनों स्थितियों के फलस्वरूप व्यक्ति किसी प्रकार की 'आत्म भावना' जैसे गर्व ~~अथवा~~ का अनुभव करता है। इस प्रकार अन्य व्यक्तियों के साथ अन्तः क्रिया के दौरान उपर्युक्त तीनों प्रक्रियाओं के आधार पर व्यक्ति

Scanned with CamScanner

के आत्म का विकास होता है। कूले के अनुसार दूसरे दूसरे व्यक्तियों के विचार एवं धारणाएँ व्यक्ति के लिये स्वयं का दर्पण है। क्योंकि दूसरों के विचारों एवं धारणाओं के दर्पण में व्यक्ति स्वयं को देखता है और उसी के आधार पर उसके विचारों, विश्वासों एवं आदतों का विकास होता है। व्यक्ति के यही विचार विश्वास एवं आदतें उसके समाजीकरण के लिये उत्तरदायी है।

Scanned with CamScanner